संक्षेपण

संक्षेपण का अर्थ — संक्षेपण का अर्थ है किसी बात को संक्षेप में कहना या लिखना। दूसरे शब्दों में, किसी लम्बे चौड़े अवतरण को संक्षिप्त करने की प्रक्रिया को ही संक्षेपण कहते हैं।

संक्षेपण की प्रक्रिया सारांश, आशय, अन्वय, भावार्थ इत्यादि से भिन्न होती है। सारांश के संदर्भ का सार अंश ही लिया जाता है पर इसके आकार की सीमा निर्धारित नहीं होती। पर संक्षेपण में केवल केवल सार अंश ही नहीं, सभी आवश्यक बातों को क्रमानुसार सजाया जाता है। इसके आकार की भी सीमा निर्धारित रहती है। सामान्यतः संक्षेपण संदर्भ का एक तिहाई होना चाहिए। दो चार शब्द अधिक या कम हो सकते हैं। आशय में स्पष्टीकरण की आवश्यकता होती है, पर संक्षेपण में इसकी गुंजाइश नहीं रहती। अन्वय में मुख्य और गौण दोनों प्रकार के तथ्यों को प्रकट किया जाता है पर संक्षेपण में तथ्यों पर ध्यान कम दिया जाता है। विचारों की संक्षिप्तता भावार्थ और संक्षेपण दोनों में रहती है, किन्तु का विस्तार सीमा निश्चित रहती है जबकि (जैसा ऊपर कहा जा चुका है) संक्षेपण सीमाबद्ध होता है।

संक्षेपण के मुख्य तत्व :-

(क) शीर्षक — मूल अवतरण को पढ़कर एक उपयुक्त शीर्षक दें। जैसे चेहरे के रंग को देखकर हृदय का भाव जान लिया जाता है उसी तरह शीर्षक ऐसा होना चाहिए कि उसे पढ़ते ही यह समझ में आ जाए कि मूल अवतरण में किस बात पर प्रकाश डाला गया है। ध्यान रखें, शीर्षक लम्बा न हो।

(ख) संक्षेपण में मूल अवतरण की

बलराम कुमार

हो तो छोटे और न अप्रासंगिक अंश जुड़े इसका ध्यान रखना चाहिए।

(ग) इसमें किसी प्रकार की आलोचना नहीं होनी चाहिए।

(घ) इसमें क्रमबद्धता नितांत आवश्यक है और इसके लिए महत्वपूर्ण विचार-बिंदुओं को रेखांकित कर लेना चाहिए।

(ङ) उद्धरण से बचना चाहिए। यदि उद्धरण परमावश्यक ही हो तो उसे प्रसंगानुकूल और लघु होना चाहिए।

(च) इसमें केन्द्रीय विचारों की प्रमुखता होनी चाहिए।

(छ) संक्षेपण को मूल अवतरण का तृतीयांश होना चाहिए। इसके लिए मूल अवतरण को सावधानीपूर्वक दो तीन बार पढ़ लेना चाहिए तथा उनके मूल विचारों को ध्यान में रखना चाहिए।

(ज) किसी भी दशा में अपना मौलिक या स्वतंत्र विचार इसमें न जोड़ा जाय।

(झ) यदि निश्चित शब्द-संख्या में संक्षेपण करने का निर्देश हो और वह संख्या एक-तिहाई हो अथवा न हो तब भी निर्धारित एवं निर्दिष्ट शब्द संख्या में ही संक्षेपण प्रस्तुत किया जाय।

डॉ. बलराम कुमार
हिंदी विभाग
डॉ. एल. के. वी. डी. कॉलेज
ताजपुर (समस्तीपुर)

बलराम कुमार